>

Title: Need to set up well equipped trauma centers on National Highways, state highways and other busy roads.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका और सदन का ध्यान रोजमर्रा होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। प्रतिदिन अखबारों में दर्जनों लोग विभिन्न राजमार्गों, मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड्स पर हादसों के शिकार होते हैं। जितनी दुर्घटनाएं होती हैं उनमें कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें बचाया जा सकता है। लेकिन देश के राजमार्गों पर अच्छे ट्रॉमा हास्पिटल्स, अच्छी सुसज्जित एम्बुलैंसेज जिनमें ऑक्सीनेटर, मौनीटर्स और इंसेटिव केयर की सुविधा नहीं होने के कारण जिन दुर्घटनाग्रस्त लोगों को बचाया जा सकता है, उन्हें भी नहीं बचाया जाता। कई बार बहुत छोटी-छोटी इंजरीज होती हैं जो पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद पता चलता है कि इस मरीज का छोटा सा इंटरवेंशन टाइम से हो जाता, तो इसे बचाया जा सकता था। इसलिए मैं निवेदन करना चाहूंगा कि राजमार्गों पर ट्रॉमा सैंटर्स बनें। मेरे अपने एरिया में बहरोड़ और किशनगंज, दो ऐसी जगहें हैं जहां बहुत एक्सीडैंट होते हैं। वहां पर मैं आपके माध्यम से ट्रॉमा सैंटर्स, ट्रॉमा हास्पिटल्स और ट्रॉमा एम्बुलैंस की प्रार्थना करता हूं। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: This is a good point.

DR. KARAN SINGH YADAV : Yes, this is an emergency system as such.

MR. SPEAKER: Now, Prof. Rasa Singh Rawat. Somehow, you did not reach in time.

प्रो. रासा सिंह रावत : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं क्षमाप्रार्थी हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। आप शार्ट में बोलिये।